परीलोक की कहानी

परीलोक में एक परी रहती थी। वह बहुत नटखट थी। दूसरी परियों ने उसे बहुत समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। इससे रुष्ट होकर सभी परियों ने उसकी शिकायत रानी परी से कर दी।

रानीपरी इससे बहुत क्रोधित हुई। उसने परी की सुन्दरता वापस ले ली। इससे वह काली हो गयी और उसका नाम **कालीपरी** हो गया। वह बहुत दुखी हुई।

उसने रानीपरी से क्षमा मांगी। उसने कहा, " मैं अब ऐसी हरकत कभी नहीं करूंगी। कृपया मेरी सुन्दरता वापस लौटा दीजिये। " तब रानीपरी का दिल पसीज गया।

रानीपरी ने कहा ठीक है, लेकिन इसके लिए तुम्हे **पृथ्वीलोक** पर जाना होगा और बच्चों की मदद करनी होगी तब तुम्हारी सुन्दरता तुम्हें मिल जायेगी।

इसपर कालीपरी तैयार हो गयी और वह धरती लोक पर आई। परी ने एक विद्यालय में देखा कि वहाँ कुछ बच्चे स्वस्थ हैं तो कुछ कमजोर हैं। कोई फुर्तीला है तो कोई आलसी।

परी बड़े ही असमंजस में पड़ गयी। उसने तय किया कि वह बच्चों का निरिक्षण और भी नजदीक से करेगी। वह सभी स्कूलों का नजदीक से निरिक्षण करने लगी।

उसने देखा सभी बच्चे किसी ना किसी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से जूझ रहे थे। किसी बच्चे के दाँतों में सड़न थी तो किसी की आँखों में चश्में लगे हुए थे।

कुछ बच्चे **हीमोग्लोबिन कमी** से परेशान थे तो कई **कैल्शियम की कमी** से परेशान थे और उनके **दांत कमजोर** थे। कुछ अधिक मोटे थे तो कुछ बहुत कमजोर थे।

इससे परी बहुत उदास हुई। परी ने इन सभी समस्यायों के मूल कारण को ढूंढने का फैसला किया। जैसे ही मध्यान्ह भोजन की घंटी बजी परी अदृश्य होकर दरवाजे के पीछे छिप गयी।

उसने देखा कि बच्चे टिफिन में **चॉकलेट**, केक, **सैंडविच, चाउमीन**, **समोसे**, पिज़्ज़ा, **बिस्कुट** आदि खाने की चीजें लाये हुए थे। परी इससे बहुत चिंतित हुई।

क्योंकि बच्चे ऐसे न तो **पोषक तत्वों** से भरे भोजन ले रहे थे और न ही उसमें संतुलित मात्रा में **प्रोटीन** और **विटामिन** थे। उसके साथ ही इन खाद्य पदार्थों में **रासायनिक रंग, कृत्रिम रासायनिक संरक्षक व चटपटे** मसालों को मिलाया जाता है, जो कि स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक होते हैं।

परी ने तय किया कि वह बच्चों की मदद करेगी और उनकी आदतों में सुधार लाएगी। परी ने जादुई छड़ी से खुद को एक शिक्षिका के रूप में बदल लिया और प्रिंसिपल से कहा कि वह बच्चों को पढ़ना चाहती है। प्रिंसिपल ने हाँ कह दिया।

उसके बाद उसने बच्चों को इन बुरी आदतों से होनी वाली बीमारियों और परेशानियों के बारे में बताना शुरू किया और साथ ही उसने बच्चों को टिफिन में **रोटी - सब्जी**, दाल, सलाद और फल लाने के लिए कहा।

धीरे - धीरे बच्चों की आदत में सुधार आ गया और बच्चे स्वस्थ हो गए। उनके स्वस्थ होते ही कालीपरी की सुन्दरता वापस मिल गयी और वह परीलोक वापस चली गयी, लेकिन समय - समय पर वह बच्चों से मिलने आती और उन्हें पौष्टिक भोजन करने की सलाह देती।